

**Two days hands on training on “Aquaculture technologies” under TSP for the farmers of Sardar Sarovar, Nandurbar district, Maharashtra
22-23 January, 2020, Nandurbar**

ICAR- Central Institute of Fisheries Education, Mumbai in collaboration with Department of Fisheries, Govt of Maharashtra organised a two days hands on training on **Aquaculture technologies** at Manibeli village, Sardar Sarovar, Distt. Nandurbar, Maharashtra for the farmers during 22-23 January, 2020. 47 tribal farmers from five different villages (viz Shelgada, Chickhodi, Manibeli, Bhusa and Chimalkhedhi) of Nandurbar district participated in the programme. The program was coordinated by ICAR-CIFE team including Dr Kiran Dube Rawat and Mr Kiran Padhvi, Assistant Commissioner Fisheries, Nandurbar, Maharashtra.

Dr. Kiran Dube Rawat made her presentation on the prospects of fisheries development in Maharashtra in open water bodies. She showed the technologies of cage and pen culture in open water bodies through pictures and handouts. Mr. K. D. Raju demonstrated different field methods of water quality analysis. Mr. Kiran Padhvi informed the farmers about different types of technologies available for them.

Farmers and trainee went to the cage culture unit of Manibeli village of Sardar Sarovar. Cage culture, growth of fish, cage structure etc. were discussed with the farmers. The farmers also discussed different issues faced by them.



Dr Kiran Dube explaining cage culture technology to the tribal fishers of Sardar Sarovar



Mr K D Raju and Dr Kiran Dube demonstrating water quality testing



Mr Kiran Padhvi, discussing problems of the tribal fishers of Sardar Sarovar



Fishers and CIFE team at the cage culture unit at Manibeli village of Sardar Sarovar



CIFE's team observing growth of fish at cage culture unit at Manibeli village of Sardar Sarovar

महाराष्ट्र के सरदार सरोवर, नंदुरबार जिला के किसानों हेतु टीएसपी के तहत
जलकृषि प्रौद्योगिकियों" पर दो दिवसीय व्यवहारिक प्रशिक्षण

22-23 जनवरी, 2020, नंदुरबार

भा.कृ.अनु.प.- केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई तथा मत्स्य पालन विभाग, महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से मणिबेली गाँव, सरदार सरोवर, जिला नंदुरबार, महाराष्ट्र में किसानों के लिए 22-23 जनवरी, 2020 के दौरान जलकृषि प्रौद्योगिकियों पर दो दिवसीय व्यवहारिक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था । नंदुरबार जिले के पांच अलग-अलग गांवों (अर्थात शेलगडा, चिंकहोड़ी, मणिबेली, भुसा और चिमलखेड़ी) के 47 आदिवासी किसानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। भा.कृ.अनु.प.- केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान से डॉ. किरण दुबे रावत, प्रधान वैज्ञानिक व उनकी टीम तथा श्री किरण पदवी, सहायक आयुक्त मात्स्यिकी नंदुरबार, महाराष्ट्र द्वारा इस कार्यक्रम का समन्वयन किया गया । डॉ. किरण दुबे रावत, प्रधान वैज्ञानिक ने महाराष्ट्र में खुले जल निकायों में मात्स्यिकी विकास की संभावनाओं पर अपनी प्रस्तुति प्रस्तुत किया । उन्होंने चित्रों और हैंडआउट्स के माध्यम से खुले जल निकायों में पिंजरे और पेन संवर्धन की प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया । श्री के. डी. राजू, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने जल गुणवत्ता विश्लेषण के विभिन्न तरीकों का प्रदर्शन किया। श्री किरण पदवी ने किसानों को उनके लिए उपलब्ध विभिन्न प्रकार की प्रौद्योगिकियों की जानकारी प्रदान की । किसानों और प्रशिक्षणार्थियों ने मणिबेली गाँव के सरदार सरोवर में पिंजरा संवर्धन इकाई का दौरा किया । किसानों के साथ पिंजरा पालन, मछली की बढ़त, पिंजरे की संरचना आदि पर चर्चा की गई। किसानों ने इस दौरान उनके सम्मुख आने वाले विभिन्न समस्याओं / मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया ।

- चित्र - 1. डॉ. किरण दुबे सरदार सरोवर के आदिवासी मछुआरों को पिंजरा संवर्धन प्रौद्योगिकियों पर व्याख्या करते हुए ।
- चित्र - 2. श्री के. डी. राजू और डॉ. किरण दुबे ने जल गुणवत्ता परीक्षण का प्रदर्शन करते हुए ।
- चित्र - 3. श्री किरण पदवी, सरदार सरोवर के आदिवासी मछुआरों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए ।
- चित्र - 4. पिंजरा पालन इकाई में केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान की टीम तथा मछुआरे ।
- चित्र - 5. मणिबेली गाँव में सरदार सरोवर के पिंजरा पालन इकाई में मछली की बढ़त का निरीक्षण करते हुए ।